झारखण्ड शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद्

रांची, झारखण्ड

वार्षिक इंटरमीडिएट परीक्षा - 2023

अर्थशास्त्र मॉडल प्रश्न पत्र

कुल अंक - 40+40=80 *समय - 3 घंटे*

बहुविकल्पीय प्रश्न (40×1=40)

सभी प्रश्न अनिवार्य है ।

1. उपयोगिता का गणनावाचक दृष्टिकोण किसके द्वारा प्रस्तुत किया गया है ?

   A) मार्शल

   B) हिक्स

   C) पीगू

   D) कीन्स

2. किस समयवधि में उत्पादन के सभी साधन परिवर्तनशील होते है ?

   A) अति अल्पकाल

   B) दीर्घकाल

   C) अल्पकाल

   D) इनमे से कोई नहीं

3. उदासीनता वक्र होता है:-

   A) मूल बिंदु की ओर उन्नतोदर

   B) मूल बिंदु की ओर अवनतोदर

   C) A और B दोनों

   D) इनमे से कोई नहीं

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

4. ऐसी वस्तुएं जिनका एक दुसरे के बदले प्रयोग किया जाता है, उसे क्या कहते है ?

A) पूरक वस्तुएं

B) आरामदायक वस्तुए

C) स्थानापन्न वस्तुएं

D) आवश्यक वस्तुएं

5. निम्न में से कौन सा उत्पत्ति का साधन है ?

A) भूमि

B) श्रम

C) पूंजी

D) उपरोक्त सभी

6. MR को प्रदर्शित किया जाता है:-

A) ΔAR/Q

B) ΔTR/ΔQ

C) TR/Q

D) इनमे से कोई नहीं

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

7. निम्न में कौन एकाधिकार की विशेषता नहीं है?

A) एक क्रेता और अनेक विक्रेता

B) निकट स्थानापन्न का अभाव

C) नए फर्मों के प्रवेश पर प्रतिबन्ध

D) इनमे से कोई नहीं

8. मांग वक्र की ढाल होती है:

A) धनात्मक

B) ऋणात्मक

C) A और B दोनों

D) इनमे से कोई नहीं

9. एक अर्थव्यवस्था की केंद्रीय समस्या है:

A) साधनों का आवंटन

B) आर्थिक विकास

C) साधनों का कुशलतम प्रयोग

D) उपरोक्त सभी

10. निम्न में से व्यष्टि अर्थशास्त्र की शाखाएं कौन सी है:

A) वस्तु कीमत निर्धारण

B) साधन कीमत निर्धारण

C) आर्थिक कल्याण

D) उपरोक्त सभी

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

11. पूर्ति बेलोचदार होती है :

A) अति अल्पकाल में

B) दीर्घकाल में

C) प्रारंभिक काल में

D) इनमे से कोई नहीं

12. निम्नलिखित में कौन उत्पत्ति का साधन नहीं है?

A) भूमि

B) श्रम

C) मुद्रा

D) पूंजी

13. माइक्रोज (micros) किस भाषा का शब्द है ?

A) अरबी

B) ग्रीक

C) जर्मन

D) अंग्रेजी

14. आर्थिक समस्या मुलत: किस तथ्य की समस्या है:

A) चुनाव की

B) उपभोक्ता चयन की

C) फर्म चयन की

D) इनमे से कोई नही

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

15. उपयोगिता की निम्न में से कौन सी विशेषता है ?

A) उपयोगिता एक मनोवैज्ञानिक धारणा है

B) उपयोगिता व्यक्तिपरक होती है

C) उपयोगिता का विचार सापेक्षिक है

D) उपरोक्त सभी

16.उपयोगिता को मापा जा सकता है:

A) मुद्रा के द्वारा

B) वस्तुओं के विनिमय द्वारा

C) वस्तु के वजन द्वारा

D) इनमे से कोई नहीं

17. निम्न में से कौन 'गोशेन का दूसरा नियम' कहलाता है:

A) उपयोगिता वृद्धि नियम

B) उपयोगिता ह्रास नियम

C) समसिमांत उपयोगिता का नियम

D) उत्पत्ति समता नियम

18. जब X वस्तु की कीमत में परिवर्तन Y वस्तु की मांग को प्रभावित करता है, तब यह मांग कहलाती है:

A) कीमत मांग

B) आय मांग

C) तिरछी मांग

D) इनमे से कोई नहीं

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

19.उत्पादन फलन में उत्पादन किसका फलन है?

A) कीमत का

B) उत्पत्ति के साधनों का

C) कुल व्यय का

D) उपरोक्त सभी

20. मौद्रिक लागत में निम्न में से किसे सम्मिलित किया जाता है ?

A) सामान्य लाभ

B) व्यक्त लागतें

C) अव्यक्त लागते

D) उपरोक्त सभी

21. समष्टि अर्थशास्त्र के अंतर्गत निम्न में से किसका अध्ययन किया ज़ाता है?

A) आय एवं रोजगार सिद्धांत

B) सामान्य कीमत स्तर एवं मुद्रा स्फीति

C) व्यापार चक्र का सिद्धांत

D) उपरोक्त सभी

22. पूंजी के स्टॉक की वृद्धि कहलाती है:

A) पूंजी ह्रास

B) पूंजी लाभ

C) पूंजी निर्माण

D) इनमे से कोई नहीं

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

23.प्रवाह के अंतर्गत निम्न में से कौन शामिल है?

A) उपभोग

B) आय

C) निवेश

D) उपरोक्त सभी

24. प्राथमिक क्षेत्र में कौन सम्मिलित होता है ?

A) कृषि

B) खुदरा व्यापार

C) लघु उद्योग

D) यातायात

25.NNPmp निम्न में से किसके बराबर होगा ?

A) GNPmp – घिसावट

B) GNPmp + घिसावट

C) GNPmp – अप्रत्यक्ष कर

D) इनमे से कोई नहीं

26. राष्ट्रीय आय में निम्न में से कौन शामिल है ?

A) लगान, मजदूरी

B) लगान, वेतन

C) लगान, लाभ

D) लगान, लाभ, वेतन, ब्याज, लाभ

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

27. एक अर्थव्यवस्था में कौनसा क्षेत्र सम्मिलित होता है ?

A) प्राथमिक

B) द्वितीयक

C) तृतीयक

D) उपरोक्त सभी

28. राष्ट्रीय आय की गन्ना में निम्न में से किसे सम्मिलित नहीं किया जाता है ?

A) पुरानी वस्तुओं का क्रय विक्रय

B) मध्यवर्ती मूल्य

C) A और B दोनों

D) इनमे से कोई नहीं

29. RBI का राष्ट्रीयकरण कब हुआ था?

A) 1947

B) 1949

C) 1950

D) 1952

30.कीन्स के अनुसार अर्थव्यवस्था में आय एवं रोजगार का संतुलन स्तर कहाँ स्थापित होगा?

A) AD > AS

B) AD < AS

C) AD = AS

D) इनमे से कोई नहीं

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

31. कीन्स ने अर्थव्यवस्था में न्यून मांग की दशा को किस नाम से पुकारा है ?

A) पूर्ण रोजगार संतुलन

B) अपूर्ण रोजगार संतुलन

C) A और B दोनों

D) इनमे से कोई नहीं

32. पंजाब नेशनल बैंक निम्न में से क्या है?

A) व्यपारिक बैंक

B) केंद्रीय बैंक

C) निजी बैंक

D) इनमे से कोई नहीं

33. साख मुद्रा का विस्तार होता है जब नकद कोष अनुपात--------

A) घटता है

B) बढ़ता है

C) A और B दोनों

D) इनमे से कोई नहीं

34. निम्न में से किस वर्ष भारत में व्यावसायिक बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया?

A) 1947

B) 1955

C) 1969

D) 2016

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

35. मुद्रा पूर्ति का नियमन कौन करता है ?

A) भारत सरकार

B) केंद्रीय बैंक

C) व्यापारिक बैंक

D) योजना आयोग

36. प्राथमिक घाटे को व्यक्त किया जाता है ?

A) राजकोषीय घाटा - राजस्व घाटा

B) राजकोषीय घाटा - ब्याज भुगतान

C) राजस्व घाटा - ब्याज भुगतान

D) पूंजीगत व्यय - राजस्व व्यय

37. निम्न में से कौन एक कर प्राप्तियां नहीं है ?

A) आयकर

B) निगम कर

C) सीमा कर

D) फीस

38. निम्न में से असंतुलित बजट है:

A) अतिरेक बजट

B) घाटे का बजट

C) A और B दोनों

D) इनमे से कोई नहीं

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

39. जिस कर प्रणाली में करों की दर आय वृद्धि के साथ साथ घटती जाती है उसे क्या कहते है ?

A) आनुपातिक कर प्रणाली

B) प्रगतिशील कर प्रणाली

C) प्रतिगामी कर प्रणाली

D) इनमे से कोई नहीं

40. भुगतान शेष के अंतर्गत निम्नलिखित में से कौन सी मदें सम्मिलित होती है ?

A) दृश्य मदें

B) अदृश्य मदें

C) पूंजी अंतरण

D) उपरोक्त सभी

विषयनिष्ठ प्रश्न (Subjective Questions)

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (5 ×2=10)

किन्ही पांच प्रश्नों का उत्तर दें:-

1. व्यक्तिगत इकाई का अध्ययन अर्थशास्त्र की किस शाखा में होता है ?

   उत्तर:- व्यष्टि अर्थशास्त्र के अंतर्गत ।

2. सीमांत प्रतिस्थापक की दर क्या है ?

   उत्तर:- जिस दर पर कोई व्यक्ति एक वस्तु की अतिरिक्त इकाइयों को दूसरी वस्तु की अतिरिक्त इकाइयों के साथ बदलने के लिए तैयार हो जाता है. उस दर को सीमांत प्रतिस्थापन्न दर कहते है ।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

3. अवसर लागत की परिभाषा दीजिये ।

   उत्तर:- एक वस्तु की कुछ अधिक मात्रा प्राप्त करने के बदले दूसरी वस्तु की कुछ मात्रा को छोड़ना पड़ता है । इसे ही वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई को प्राप्त करने की अवसर लागत कहते है ।

4. FAD खाद्यान्न उपलब्धता गिरावट सिद्धांत का प्रतिपादन किसने किया?

उत्तर:- नोबेल प्राप्त भारतीय अर्थशास्त्री प्रोफेसर अमर्त्य सेन ने खाद्यान्न उपलब्धता गिरावट सिद्धांत का प्रतिपादन किया है।

5. उपभोग वस्तु को परिभाषित कीजिये ।

उत्तर:- वह वस्तु जिनका अंतिम रूप से उपभोक्ता द्वारा उपभोग कर लिया जाता है उसे उपभोग वस्तु कहते है ।

6. हस्तांतरण भुगतान किसे कहते है ?

उत्तर:- हस्तांतरण भुगतान किसी व्यक्ति या संगठन को एकतरफा भुगतान है जिसके बदले में कोई सामान या सेवाएं नहीं प्राप्त होती हैं या उनका आदान-प्रदान नहीं किया जाता है ।

7. सीमांत उपभोग की प्रवृत्ति क्या है ?

उत्तर:- आय में होने वाले परिवर्तन से उपभोग में होने वाले परिवर्तन का आनुपातिक सम्बन्ध को सीमांत उपभोग प्रवृत्ति कहते है ।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

<u>लघु उत्तरीय प्रश्न (5 ×3=15)</u>

किन्ही पांच प्रश्नों का उत्तर दें:-

8. **गिफिन विरोधाभास क्या है?**

उत्तर:- गिफिन वस्तु का अर्थ ऐसी वस्तुओं से है जिनका आय से ऋणात्मक सम्बन्ध पाया जाता है । गिफिन वस्तुओं में मांग का नियम लागू नहीं होता है जबकि यह मांग के नियम के विपरीत कार्य करता है । मांग के नियम के अनुसार वस्तु की कीमत घटने पर वस्तु की मांग बढ़ जाती है और कीमत बढ़ जाने से मांग घट जाती है । इसके विपरीत गिफिन वस्तुओं की कीमते घटने से इसकी मांग कम हो जाती है जबकि कीमते बढ़ने से मांग बढ़ जाती है इसलिये इसे गिफिन का विरोधाभास कहते है ।

9. **कॉफ़ी के मूल्य में कमी का चाय की मांग पर क्या प्रभाव होगा?**

उत्तर:- कॉफ़ी तथा चाय स्थानापन्न वस्तुए है अर्थात ऐसी वस्तुएं जिनका प्रयोग एक ही उद्देश्य से एक दुसरे के स्थान ओअर किया जा सकता है । ऐसी वस्तुओं में एक की कीमत का दूसरी के मांग के साथ धनात्मक सम्बन्ध होता है ।

अर्थात, कॉफ़ी के मूल्य में कमी आने से चाय की मांग कम हो जाएगी । क्योंकि इस दशा में चाय पीने वाले उपभोक्ता कॉफ़ी की मांग करेंगे ।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

10. **निम्न तालिका को पूरा करें:**

उत्पादन इकाई	कुल लागत (TC)	औसत लागत (AC)	सीमांत लागत (MC)
1	20	20	20
2	38	19	18
3	50	16.67	12
4	60	15	10
5	72	14.4	12
6	85	14.16	13

11. **सीमांत बचत प्रवृत्ति तथा सीमांत उपभोग प्रवृत्ति में क्या सम्बन्ध है ?**

उत्तर:- सीमांत बचत प्रवृत्ति तथा सीमांत उपभोग प्रवृत्ति का योग सदैव इकाई के बराबर होता है अर्थात MPC + MPS = 1 । इसका कारण यह है कि सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) आय में वृद्धि और उपयोग में वृद्धि के अनुपात को प्रकट करती है, जबकि सीमांत बचत प्रवृत्ति आय में वृद्धि और बचत में वृद्धि के अनुपात को प्रकट करती है ।

12. **'अवस्फीतिक अंतराल' क्या है ?**

उत्तर:- अवस्फीतिक अंतराल - किसी अर्थव्यवस्था में पूर्ण रोजगार संतुलन की स्थिति को बनाए रखने के लिए जितनी कुल माँग की आवश्यकता पड़ती है यदि कुल माँग उससे अधिक हो तो इनके अंतर को स्फीतिक अंतराल कहा जाता है। स्फीति अंतराल माँग के आधिक्य के कारण उत्पन्न होता है।

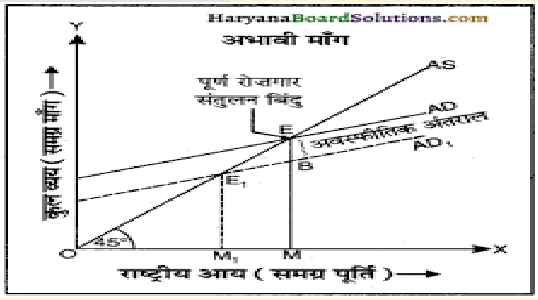

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

13. **'मुद्रा पूर्ति' क्या है? इसके विभिन्न घटकों का उल्लेख कीजिये।**

उत्तर:- मुद्रा पूर्ति:- मुद्रा पूर्ति से तात्पर्य किसी समय विशेष पर एक देश में प्रचलित वैधानिक मुद्रा की कुल मात्रा से है। वैधानिक मुद्रा में देश में चलन में आये नोट व सिक्के शामिल है ।

मुद्रा पूर्ति के विभिन्न घटक:-

M1 मुद्रा माप - जनता के पास करेंसी + बैंकों के पास मांग जमा + अन्य जमायें

M2 मुद्रा माप - M1 + डाक खानों की बचत जमा

M3 मुद्रा माप - M1 + बैंकों की सावधि जमा

M4 मुद्रा माप - M3 + कुल डाकघरों की जमा NSC को छोड़कर

14. प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों के बीच क्या अंतर है?

उत्तर:- प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों के बीच अंतर:-

प्रत्यक्ष कर	अप्रत्यक्ष कर
ए कर जिस व्यक्ति पर लगायें जाते है, वह व्यक्ति ही इन करों का भुगतान करता है। इन करों को ताला नही जा सकता है ।	जिस व्यक्ति को यह कर चुकाना होता है वह इसे किसी दुसरे व्यक्ति पर डाल सकता है।
यह प्रगतिशील कर होते है	यह प्रगतिशील कर नहीं होते है
यह अनुवार्य भुगतान है	इन करों से बचा जा सकता है
जैसे - आयकर , सम्पत्ति कर आदि	जैसे - GST, सीमा शुल्क आदि

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (3 ×5=15)

किन्ही तीन प्रश्नों का उत्तर दें:-

15. मांग की तालिका एवं मांग वक्र की सहायता से मांग के नियम की व्यख्या कीजिये ।

उत्तर:- ***मांग का नियम*** :- यह नियम 'खरीद का पहला नियम' भी कहलात है । मांग व मूल्य के परस्पर सम्बन्ध को मांग के नियम के द्वारा व्यक्त किया जा सकता है । मांग का नियम यह बताता है की ऊँची कीमत पर मांग कम और कम कीमत पर मांग बढ़ जाती है । मांग के नियम के अनुसार वस्तु की कीमत और वस्तु की मांग के बीच ऋणात्मक सम्बन्ध होता है ।

अर्थात,

P ά 1/ Q

P - वस्तु की कीमत

Q - मांग की मात्रा

उदाहरण:-

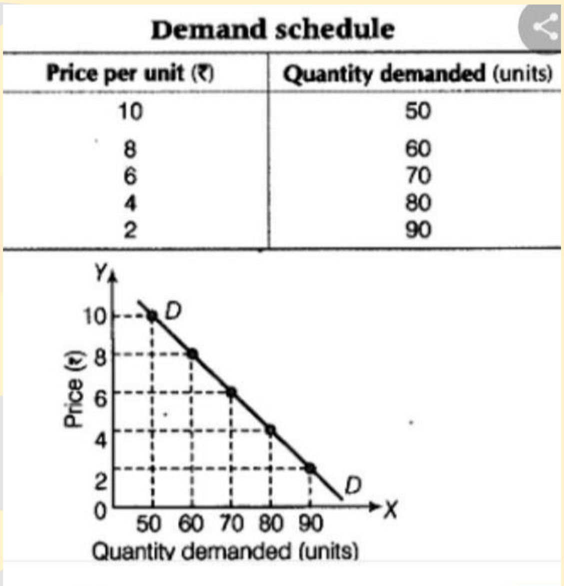

Demand schedule

Price per unit (₹)	Quantity demanded (units)
10	50
8	60
6	70
4	80
2	90

चित्र के अनुसार जैसे जैसे वस्तु की कीमत गिरती जा रही है वैसे वैसे वस्तु की मांग बढती जाती है । इसी कारण मांग वक्र उपर से नीचे गिरता हुआ होता है ।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

16.'पूर्ति का विस्तार' एवं 'पूर्ति का संकुचन' को उपयुक्त रेखाचित्र की सहायता से स्पष्ट कीजिये ।

उत्तर:- पूर्ति का विस्तार:- अन्य बातें समान रहने पर जब किसी वस्तु की कीमत बढ़ने के फलस्वरूप उसकी पूर्ति अधिक हो जाती है इस बढती हुई पूर्ति को पूर्ति का विस्तार कहा जाता है।

पूर्ति के विस्तार को सारणी तथा रेखाचित्र की सहायता से स्पष्ट किया जा सकता है-

कीमत (₹ में)	मात्रा	विवरण
1	10	कीमत में वृद्धि
5	50	पूर्ति में वृद्धि

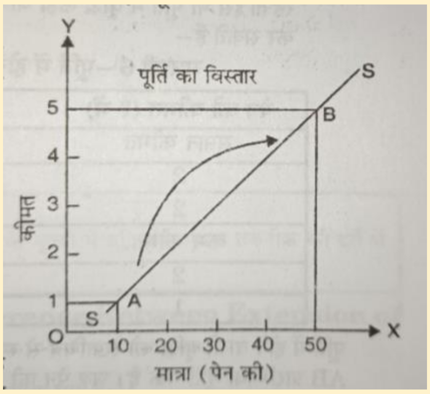

पूर्ति का संकुचन:- अन्य बातें समान रहने पर जब किसी वस्तु की कीमत घटने के फलस्वरूप उसकी पूर्ति कम हो जाती है इस घटती हुई पूर्ति को पूर्ति का संकुचन कहा जाता है।

पूर्ति के विस्तार को सारणी तथा रेखाचित्र की सहायता से स्पष्ट किया जा सकता है-

कीमत (₹ में)	मात्रा	विवरण
5	50	कीमत में कमी
1	10	पूर्ति में कमी

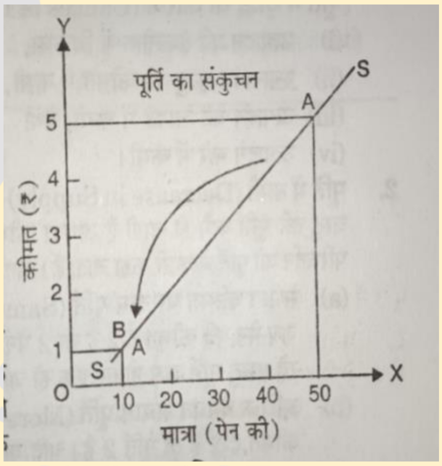

THE ECONOMICS
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

17.उत्पादक संतुलन से क्या अभिप्राय है? तालिका एवं रेखाचित्र की सहायता कुल लागत (TC) एव कुल आगम (TR) के संदर्भ में उत्पादक संतुलन की व्यख्या किजिए ।

उत्तर:- उत्पादक संतुलन:- एक फर्म या उतपादक उस समय संतुलन में होती है जब वह अपने वर्तमान उत्पादन की मात्रा से संतुष्ट होता है । उत्पादन में कमी या वृद्धि करने की कोई प्रवृत्ति नहीं पी जाती है । यह अवस्था उस समय होगी जब या तो फर्म को अधिकतम लाभ प्राप्त होंगे या फर्म को होने वाली लागत न्यूनतम होगी ।

कुल आय (TR) तथा कुल लागत (TC) दृष्टिकोण:-

जिस बिंदु पर कुल आय तथा कुल लागत में अंतर अधिकतम होती है उस बिंदु पर उत्पादक संतुलित होता है ।

इस प्रकार कुल आय की कुल लागत की अधिकता लाभ कहलाती है ।

लाभ = कुल आय (आगम) - कुल लागत

[Profit = TR - TC]

पूर्ण प्रतियोगिता की स्थिति में एक फार्म दी गई कीमत पर वस्तु की कितनी ही मात्रा का उत्पादन कर सकती है क्योकिं पूर्ण प्रतियोगिता में फर्म कीमत प्राप्तकर्ता एवं मात्रा नियोजक होती है ।

पूर्ण प्रतियोगिता में कुल आगम वक्र (TR) बाएं से दायें चढ़ती हुई होती है । जबकि उत्पादन के बढ़ने से लागत बढती हुई होती है । जिस बिंदु पर दोनों में अंतर सर्वाधिक (बिंदु KN) होती है वह संतुलन स्तर होती है ।

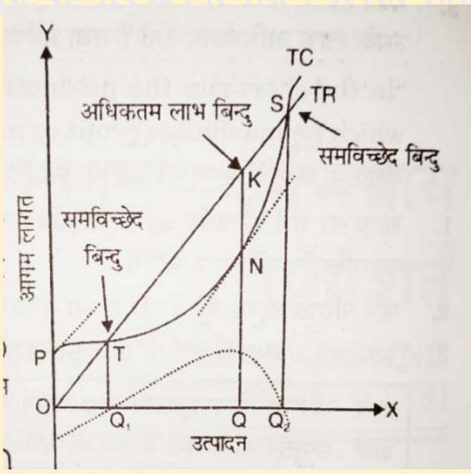

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

18. न्यून मांग के क्या कारण है ? न्यून मांग का उत्पादन, रोजगार एवं कींमतों पर क्या प्रभाव होता है ?

उत्तर:- **न्यून मांग:** न्युन मांग वह स्थिति है जिसमे सामूहिक मांग पूर्ण रोजगार स्तर के लिए आवश्यक सामूहिक पूर्ति से कम होती है ।

AD < AS

न्यून मांग के कारण :

किसी भी देश में न्युन मांग के निम्नलिखित कारण हो सकते है:

1. सरकार द्वारा करेंसी की पूर्ति करने अथवा बैंकों द्वारा साख निर्माण को घाटा देने के कारण देश में कुल मुद्रा की पूर्ति में कमी ।
2. बैंक दर में वृद्धि से परिणाम मांग में कमी ।
3. करों में वृद्धि के परिणामस्वरूप स्वायत्त आय एवं उपभोग मांग में कमी ।
4. सार्वजानिक मांग में कमी
5. बचत प्रवृत्ति में वृद्धि के कारण उपभोग मांग में कमी ।
6. निर्यात मांग में कमी ।

न्यून मांग के आर्थिक प्रभाव -

1. **उत्पादन पर प्रभाव** : न्यून मांग के कारण वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन में कमी आ जाती है तथा उत्पादक इकाइयाँ वर्तमान दर पर उत्पादन नहीं कर पाती है तथा उत्पादक लागत में वृद्धि होने लगती है ।
2. **रोजगार पर प्रभाव:** मांग में कमी के कारण उत्पादक वस्तुओं एवं सेवाओं के उत्पादन में कमी करता है जिससे उत्पादन कार्य में लगे लोगों में रोजगार की कमी होने लगती है और अर्थव्यवस्था में बेरोजगारी बढ़ने लगती है ।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

3. **कीमतो पर प्रभाव**: यदि देश कुल मांग कुल पूर्ति की तुलना में कम है इसका सामान्य प्रभाव यह होगा की देश में कीमत स्तर में कमी आने लगती है ।

19.केंद्रीय बैंक की साख नियंत्रित की मौद्रिक नीतियों का उल्लेख करे।

उत्तर:- केंद्रीय बैंक द्वारा साख नियंत्रित करने के लिए प्रयोग किये गए उपकारों को दो वर्गों में बनता गया है-

1. परिमाणात्मक साख नियंत्रण
2. चयनात्मक साख नियंत्रण

1. **परिमाणात्मक साख नियंत्रण**- इसके प्रमुख विधियाँ इस प्रकार है -

I) **बैंक दर नीति** - बैंक दर वह है जिस पर केंद्रीय बैंक सदस्य बैंकों के प्रथम श्रेणी के व्यपारिक बिलों की पुन:कटौती करता है और उन्हें ऋण देता है। साख के विस्तार करने के उद्देश्य से बैंक दर को घटा दिया जाता है जबकि साख नियंत्रण के लिए बैंक दर को बढ़ा दिया जाता है ।

II) **खुले बाजार की क्रियाएं**: खुले बाजार की क्रियाओं से अभिप्राय केंद्रीय बैंक के द्वारा मुद्रा बाजार में सरकारी प्रतिभूतियो का क्रय विक्रय करना है । साख के नियंत्रण के प्रतिभूतियों का विक्रय किया जाता है जबकि साख के विस्तार के लिए क्रय किया जाता है ।

III) **नकद कोष अनुपात नीति (CRR):** देश का प्रत्येक व्यपैक बैंक अपनी कुल जमाओं का एक निश्चित प्रतिशत केंद्रीय बैंक के पास अनिवार्य रूप से करना पढ़ता है उसे नकद कोष अनुपात कहते है। साख के विस्तार करने के उद्देश्य से नकद कोष अनुपात

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

को घटा दिया जाता है जबकि साख नियंत्रण के लिए नकद कोष अनुपात को बढ़ा दिया जाता है ।

IV) **सांविधिक तरलता अनुपात (SLR):** प्रत्येक व्यापारिक बैंक को अपनी कुल जमाओं का एक निश्चित प्रतिशत स्वयं के पास तरल रूप में जमा रखना पढता है जिसे सांविधिक तरलता अनुपात कहते है । साख के विस्तार करने के उद्देश्य से सांविधिक तरलता अनुपात को घटा दिया जाता है जबकि साख नियंत्रण के लिए सांविधिक तरलता अनुपात को बढ़ा दिया जाता है ।

2. चयनात्मक साख नियंत्रण-

I) **सीमांत आवश्यकताओं या मार्जिन में परिवर्तन** - जब विशेष वस्तु के लिए साख का संकुचन करना होता है तो केंद्रीय बैंक उसकी मार्जिन आवश्यकता को बढ़ा देता है और इसके विपरीत साख के विस्तार के लिए मार्जिन आवश्यकता को घटा देता है।

II) **साख की राशनिंग** :- केंद्रीय बैंक साख की राशनिंग चार प्रकार से करता है -

- विभिन्न बैंकों को दिए जाने वाले ऋण में कमी कर सकता है ।
- विभिन्न बांको को दी जाने वाली साख का कोटा निश्चित कर सकता है ।
- किसी विशेष बैंक को रुपया उधर देने से इंकार कर देता है ।
- केंद्रीय बैंक उद्योगों और व्यवसायियों को दी जाने वाली साख की सीमा निश्चित कर सकता है ।

III) **प्रत्यक्ष कार्यवाही** :- जब केंद्रीय बैंक यह देखता है कि कोई बैंक उसकी नीति के विरुद्ध कार्य कर रहा है तो वह प्रत्यक्ष

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INFORMATION | KNOWLEDGE

कार्यवाही जैसे आर्थिक दंड लगाना, लाइसेंस निरस्त करना आदि कर सकता है ।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE